चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27-9-23	3	6वें

एग्री-टूरिज्म सेंटर में मिलेगी कृषि शोध व अनुसंधानों की जानकारी

एचएयू में तैयार हो रहा है एग्री टूरिज्म सेंटर, हरियाणवी व्यंजनों का स्वाद चखेंगे पर्यटक

सत्यवान सिंह | हिसार

> ▪ एग्री-टूरिज्म सेंटर को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकीय को बढ़ावा देना है। प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है। विद्यार्थियों को जैव-विविधता के बारे में जानने का भी अवसर मिलेगा।
> -प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रीकल्चर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए एग्री टूरिज्म सेंटर बनाया जा रहा है। यहां एग्री-टूरिज्म थीम पार्क बनाए जाने का काम चल रहा है। यूनिवर्सिटी के गेट नंबर चार के साथ बॉटनिकल गार्डन के साथ यह सेंटर बनाया जा रहा है। टूरिज्म सेंटर का उद्देश्य लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्रकृति के साथ जोड़ना, अपनी यूनिवर्सिटी की कृषि संबंधित रिसर्च, अपनी प्रौद्योगिकी से अवगत करवाना है। इस सेंटर से स्कूल व कॉलेज के स्टूडेंट्स को जैव विविधता के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। एग्री-इको पर्यटन को बढ़ावा देने में यह सेंटर कारगर साबित होगा। साथ 350 लोगों के बैठने की क्षमता का ओपन एयर थिएटर भी बनाया जा रहा है, जिसमें स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों को कृषि से संबंधित जानकारियां मिलेंगी।

कृषि पर्यटन केंद्र में बॉटनिकल गार्डन, प्रोटीन उद्यान, विटामिन गार्डन, औषधीय उद्यान, एक्वा टिक प्लांट गार्डन शामिल है। वनस्पति विज्ञान और पादप शरीर क्रिया विज्ञान में देशी और विदेशी पौधों की प्रजातियों का संग्रह किया गया है। जैव-विविधता वाले लगभग 550 पौधों की प्रजातियां यहां देखी जा सकती हैं। गोल्ड फिश उत्पादन की जानकारी देने के लिए ओरनामेंटल फिश एक्वेरियम की भी व्यवस्था एग्री टूरिज्म सेंटर में की जा रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27-9-23	3	6-7

एचएयू में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य पर होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन किया जाएगा। कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे।

कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर जारी किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	27-9-23	11	3-5

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

हिसार, 26 सितंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक कई विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन करेंगे। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी, साथ ही उचित दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर जारी किया।

हिसार स्थित हकृवि के कुलपति प्रो बी आर. काम्बोज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर का विमोचन करते हुए। -हप्र

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	27-9-23	10	3-8

वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए रणनीति पर होगी चर्चा

सम्मेलन में कई देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग

हरिभूमि न्यूज ›› हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवस्था के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृषि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

हिसार। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर का विमोचन करते हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

600 से अधिक वैज्ञानिक व प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27-9-23	4 --	3-5 --

4 से 6 दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन सहित 15 से अधिक देशों के आएंगे वैज्ञानिक

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर का विमोचन करते हुए। स्रोत विवि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति ने इस सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर जारी किया। सम्मेलन में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित 15 से अधिक देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मना रहा है। कुलपति काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। इस दौरान वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थ व्यवस्था के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृषि विषयों पर मंथन होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	27-9-23	4 --	3-5

हकृवि में होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमरीका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग

» सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर का विमोचन करते हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार, 26 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसम्बर तक 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृषि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	27-9-23	4 --	7-8--

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन चार दिसंबर से, कई देशों के वैज्ञानिक आएंगे

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर चार से छह दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। सम्मेलन में वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य, प्राकृतिक एवं जैविक खेती सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा के रूप में मना रहा है। कुलपति ने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर जारी किया। अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	27-9-23	5	3-5

हकृवि में 4 से 6 दिसम्बर तक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग : प्रो. काम्बोज

हिसार, 26 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्त्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण [illegible], जलकृषि, पशुधन, फसलें उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी, साथ ही उचित दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर जारी किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	26.9.2023	--	--

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग

शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्त्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवस्था के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृमि, पशुधन, फसल उत्पादन विषयों पर गहनता से चर्चा का मंथन किया जाएगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर का विमोचन करते हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	26.9.2023	--	--

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्त्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपीस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृमि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरखा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी, साथ ही उचित दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर जारी किया।अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	26.9.2023	--	--

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, टर्की, स्विट्जरलैंड, मिस्त्र, पोलैंड, इजराइल, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृषि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी, साथ ही उचित दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर जारी किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	26.9.2023	--	--

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों के वैज्ञानिक लेंगे भाग : प्रो. काम्बोज

सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी

हिसार, 26 सितंबर (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य, पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, रूस, स्विट्ज़रलैंड, मिस्र, पोलैंड, इंग्लैंड, फिलीपींस, कजाकिस्तान, तंजानिया व केन्या सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले वैज्ञानिक वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए खाद्य, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवस्था के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृषि, पशुपालन, पशुधन उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर महत्ता से चर्चा का मंथन किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मना रहा है। उन्होंने अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव व उनकी टीम को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित ब्रोशर जारी किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन में 600 से अधिक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, अधिकारी, प्रशासक, कृषि-उद्यमी, विद्यार्थी, कृषि-उद्योग प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में 12 विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इन प्रासंगिक विषयों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	26.9.2023	--	--

हकृवि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को होगा लाभ: प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए एक उत्तम किस्म है जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हकृवि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब दस वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 ईजाद की गई है जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान कमेटी द्वारा हाल ही में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में समय पर बिजाई के लिए चिन्हित किया गया है।

पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक

कुलपति ने कहा कि 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 प्रतिशत तेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इससे तिलहन उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को बल मिलेगा।

इन राज्यों के किसानों को होगा लाभ

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बोआई के लिए चिन्हित की गई है। इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज अगले साल तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा।

पिछले वर्ष भी की थी दो उन्नत किस्में

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा के अनुसार इस किस्म को हकृवि के सरसों वैज्ञानिकों डॉ. राम अवतार, डॉ. नीरज, डॉ. मंजीत व डॉ. अशोक कुमार की टीम ने डॉ. राकेश पूनिया, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. महावीर एवं डॉ. राजबीर सिंह के सहयोग से तैयार किया है। उन्होंने बताया कि इस टीम ने गत वर्ष भी सरसों की दो किस्में आर.एच. 1424 व आर.एच. 1706 विकसित की हैं। ये किस्में भी सरसों की उत्पादकता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगी। उन्होंने बताया सरसों अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस टीम को हाल ही में जम्मू में आयोजित कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से भी नवाजा गया है।

सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में शामिल हकृवि सरसों केन्द्र

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि हकृवि के सरसों केंद्र की देश के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्रों में गिनती होती है। उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आर.एच. 725 आज के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक प्रचलित व लोकप्रिय हो चुकी है जोकि हरियाणा के अलावा यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अकेली उगाई जाने वाली किस्म है। यह किस्म औसत 10-12 क्विंटल प्रति एकड़ पैदावार आराम से दे रही है व इसकी उत्पादन क्षमता भी 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ तक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि किरण न्यूज	26.9.2023	--	--

एचएयू ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को होगा लाभ: कुलपति

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए एक उत्तम किस्म है जो कि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म एचएयू ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब दस वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 ईजाद की गई है जो कि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान कमेटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थितियों में समय पर बिजाई के लिए चिन्हित किया गया है। कुलपति ने कहा कि 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन वह 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 प्रतिशत तेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इससे तिलहन उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति का हल मिलेगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बोआई के लिए चिन्हित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज अगले साल तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा के अनुसार इस किस्म को एचएयू के सरसों वैज्ञानिकों डॉ. राम अवतार, डॉ. नीरज, डॉ. मनजीत व डॉ. अशोक कुमार की टीम ने डॉ. राकेश पूनिया, डॉ. नेहा कुमारी, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. महावीर एवं डॉ. राजबीर सिंह के सहयोग से तैयार किया है। उन्होंने बताया कि इस टीम ने गत वर्ष भी सरसों की दो किस्में आरएच 1424 व आरएच 1706 विकसित की हैं। ये किस्में भी सरसों की उत्पादकता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगी। उन्होंने बताया सरसों अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस टीम को हाल ही में जम्मू में आयोजित कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से भी नवाजा गया है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि एचएयू के सरसों केंद्र की देश के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्रों में गिनती होती है। उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आरएच 725 आज के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक प्रचलित व लोकप्रिय बन चुकी है, जोकि हरियाणा के अलावा यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अकेली उगाई जाने वाली किस्म है। यह किस्म औसत 10-12 क्विंटल प्रति एकड़ पैदावार आसान से दे रही है व इसकी उत्पादन क्षमता भी 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ तक है।